**Title: Request for re-opening of eleven departments of the National Savings Organisation in Rajasthan.**

**श्री गिरधारी लाल भार्गव (जयपुर) :** अध्यक्ष महोदय, राट्रीय बचत संगठन एक बहुत बड़ा संगठन है और इस संगठन के द्वारा कई योजनाएं - पंचर्वाीय योजना, 11 र्वाीय योजना डाकघरों के माध्यम से चलती हैं। राजस्थान में 11 कार्यालय इस पर काम कर रहे थे मगर बड़े खेद की बात है कि जयपुर का भी जो कार्यालय था वह बंद कर दिया गया और 11 कार्यालय बंद कर दिए गए। इससे कर्मचारी बेरोज़गार हो जाएंगे यह पहली बात है। दूसरी बात यह है कि राज्य सरकार को उससे जो 70-80 प्रतिशत मदद राजस्थान के विकास के लिए मिला करती थी, वह रकम मिलनी भी बंद हो जाएगी। राजस्थान को वैसे भी पैसा कम मिल रहा है और राजस्थान को कम पैसा मिलने के कारण राजस्थान की योजनाएं खटाई में पड़ जाएंगी और यह पैसा नहीं मिला तो राजस्थान में और भी हालत खराब हो जाएगी। इसलिए मेरा निवेदन है कि राजस्थान में राट्रीय बचत संगठन के जो 11 विभाग थे, वे उचित प्रकार से चलने चाहिए यह मेरी आपसे प्रार्थना है। आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, बहुत बहुत धन्यवाद।

**अध्यक्ष महोदय** : मैं भी आपका आभारी हूँ कि आपने थोड़े शब्दों में विाय को सही ढंग से रखा।

**श्री गिरधारी लाल भार्गव** : मैं संक्षेप में बोलता हूँ। मैंने लंबी-चौड़ी बात करना बंद कर दिया है। उधर था तो बोला करता था। इधर आ गया तो आपकी अध्यक्षता में सीख गया कि कम बोलने से ही बात बनेगी वरना सराकर में रहकर ज़बान बंद हो जाएगी।